

---

.. ketupa nchavi.nshatinAmastotram ..

॥ केतुपञ्चविंशतिनामस्तोत्रम् ॥

Document Information

---

Text title : ketupanchavi.nshatinaamastotram  
File name : ketu25.itx  
Location : doc\_z\_misc\_navagraha  
Author : Traditional  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com  
Proofread by : Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com  
Latest update : August 24, 2006, June 22, 2011  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ केतुपञ्चविंशतिनामस्तोत्रम् ॥

केतुः कालः कलयिता धूम्रकेतुर्विवर्णकः ।  
लोककेतुर्महाकेतुः सर्वकेतुर्भयप्रदः ॥ १ ॥  
रौद्रो रुद्रप्रियो रुद्रः क्रूरकर्मा सुगन्धधृक् ।  
पलाशधूमसंकाशश्चित्रयज्ञोपवीतधृक् ॥ २ ॥  
तारागणविमर्दी च जैमिनेयो ग्रहाधिपः ।  
गणेशदेवो विघ्नेशो विषरोगार्तिनाशनः ॥ ३ ॥  
प्रब्रज्यादो ज्ञानदश्च तीर्थयात्राप्रवर्तकः ।  
पञ्चविंशतिनामानि केतोर्यः सततं पठेत् ॥ ४ ॥  
तस्य नश्यति बाधा च सर्वकेतुप्रसादतः ।  
धनधान्यपशूनां च भवेद् वृद्धिर्न संशयः ॥ ५ ॥  
॥ इति श्रीस्कन्दपुराणे केतोः पञ्चविंशतिनामस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Kirk Wortman kirkwort at hot-mail.com

---

.. ketupa nchavi.nshatinAmastotram ..  
was typeset on August 2, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

